राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद
NATIONAL COUNCIL FOR COOPERATIVE TRAINING
(An Autonomous Society Promoted by Ministry of Cooperation, Government of India)
2025
International Year of Cooperatives

# अपील

**प्रिय साथियों,**

**हिंदी दिवस 2025 के अवसर पर मेरी ओर से सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।**

हिंदी आज देश के कोने-कोने में बोली जाने वाली जन-जन की भाषा है। यह देश की राजभाषा, संपर्क भाषा, जन-मानस की भाषा और विचारों की संवाहिका ही नहीं है बल्कि विश्व की अन्य सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक समृद्ध भाषा है। सरकारी कामकाज में समरूपता, समरसता तथा एकात्मकता लाने के लिए ही संविधान सभा ने 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया था । इसीलिए हम सब 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं।

सरकारी कामकाज में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए उत्तरोत्तर प्रयास किए जा रहे हैं। मौलिक रूप से हिंदी का प्रयोग कर हम अपनी भावना की अभिव्यक्ति कहीं बेहतर ढंग से कर सकते हैं । सरकारी कामकाज में हमें सरल, सहज, सुगम्य एवं सुबोध भाषा का प्रयोग करना होता है ताकि हम अपनी बात को स्पष्ट रूप से रख सकें तथा यदि कोई निर्णय लेना है तो द्रुतगति से उस पर मंथन कर किसी परिणाम तक पहुंचा जा सके।

हमारा संस्थान सहकारिता क्षेत्र से जुड़ा है जहां हिंदी के प्रयोग की प्रबल संभावनाएं हैं। हमें ग्रामीण परिवेश, समाज एवं माहौल में काम करना होता है। अतः हम जन-जन की भाषा हिंदी का प्रयोग कर अपनी पहुंच देश के अंतिम छोर तक विस्तारित कर सकते हैं। हिंदी भाषा हमारे लिए एक वरदान है जिसका प्रयोग कर हम संस्थान के उद्देश्यों को पूरा करने के साथ-साथ राष्ट्रहित, समाज-हित एवं जनहित में सामाजिक ताना-बाना बुन सकते हैं। राजभाषा हिंदी के प्रति हमें अपनी निष्ठा बरकरार रखनी है ताकि चिंतन, मंथन एवं कार्यान्वयन से हिंदी को हम वांछनीय स्तर तक ले जा सकें।

इस शुभ अवसर पर मैं, सचिव के तौर पर, राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद और सभी अधीनस्थ संस्थानों में कार्यरत समस्त सहकर्मियों से अपील करती हूं कि न केवल हिंदी दिवस/हिंदी पखवाड़ा के दौरान अपना सारा कार्यालयीन कामकाज राजभाषा में करने का प्रयास करें बल्कि पूरे वर्ष के दौरान संस्थान में मौजूद संसाधनों का प्रयोग करते हुए राजभाषा हिंदी की अविरल धारा का प्रवाह जारी रखें क्योंकि :

**"निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल ।**
**बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटै न हिय को सूल ।।"**

एक बार पुन: मैं आप सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देती हूं और आपसे अनुरोध करती हूं कि मुख्यालय एवं मुख्यालय के सभी अधीनस्थ संस्थानों में 14 सितंबर, 2025 से मनाए जा रहे हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लें ।

**पुन: शुभकामनाओं सहित!**

जय हिंद! जय हिंदी !

**(मीनू शुक्ला पाठक)**
**सचिव**

3, सिरी इंस्टीट्यूशनल एरिया, अगस्त क्रांति मार्ग, हौज खास, नई दिल्ली–110016, 3, Siri Institutional Area, August Kranti Marg, Hauz Khas, New Delhi-110016 (India)
दूरभाष / Phone : 011-41096510, 46035930 (Direct) ई–मेल / E-mail: secy-ncct@gov.in वेबसाइट / Website : www.ncct.ac.in